विद्याभारती महाकोशल प्रान्त

सरस्वती शिक्षा परिषद जबलपुर
मध्यप्रदेश 482002

दिनांक 07.02.2019

आत्मीय स्वजन..

सादर नमस्कार!

पावन अवसर अति अनुकूल, ऋतु बसंत है मंगल मूल,
करें संकल्प राष्ट्र-कल्याण, स्नेह समर्पण समरस ज्ञान...

बसंत प्रकृति का एक अनुपम और अनोखा उपहार है। यह उल्लास तथा नव प्राण स्पर्श का पर्व है। पुनः नवीनता को प्रकट कर रमणीय जीवन दर्शन का उद्घोष है, यह पर्व। प्रकृति नव सौंदर्य के सृष्टि का सृजन करती है, ऐसे दिव्य वातावरण में सरस्वती पूजन का अपना वैशिष्टय है। मां सरस्वती जीवन में नवीन सौंदर्य, सामर्थ्य, साहस और शील को प्रदान करने वाली हैं। नव-पल्लव, नव-कुसुम के साथ नव गंध ,नव प्रेरणा, नव चेतना का संचार करती है बसंत पंचमी...

हंसवाहिनी मां सरस्वती का प्राकटय दिवस बसंत पंचमी है, जो विद्या बुद्धि-दायिनी हैं। विद्या भारती समाज में नव-स्फूर्ति के साथ अपने लक्ष्य के अनुरूप समाज रचना के लिए अनेक आयाम स्थापित किए हैं। सब समाज को साथ में लेकर चलने वाले इस शैक्षिक संगठन ने समाज को दिव्य स्वरूप देने के लिए सभी का आह्वान किया है। ग्रामीण, वनवासी, उपेक्षित समाज का विकास तथा सहज स्नेह की किरण का स्पर्श विद्या भारती के द्वारा हर घर, हर आंगन में संभव हो सका है। समस्त सरस्वती शिशु मंदिर, पुरातन छात्रों, अभिभावकों तथा सम्पूर्ण समाज से अनुरोध है कि बसंत पंचमी के पावन पर्व में अपने समर्पण से समाज में समरसता स्थापित करने हेतु संकल्पित हों....

यह पर्व समाज की समरसता तथा एकात्मता उत्सव के रूप में मनाएं.... ताकि जो दीन-दुखी तथा अभावग्रस्त हैं, उन तक सहायता पहुंच सके तथा सभी तक शिक्षा की किरण पहुँचाने में हम समर्थ हों। इस हेतु मुक्त हस्त से समर्पण करते हुए वंचित समाज को अभाव के दलदल से निकालकर समर्थ बनाने में अपनी आहुति प्रदान करें। आइए हम सब एक होकर बसंत उत्सव में नवीन चेतना की अनुभूति करें।

नव स्वतंत्र रव, अमृत मंत्र नव, भारत में भर दे। वर दे वीणा वादिनी वर दे....

पवन कुमार

डॉ. पवन तिवारी
संगठन मंत्री
विद्याभारती महाकोशल प्रान्त